

अचानक सीजेपी विरोध प्रदर्शन में घायल लोगों से मिलने अस्पताल पहुंच गए जेपी नड्डा, डॉक्टरों के साथ की हाई लेवल मीटिंग

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने मंगलवार को राजधानी के राम मनोहर लोहिया अस्पताल का दौरा किया। वे सोमवार को सीजेपी के विरोध मार्च के बाद पुलिस की कार्रवाई में घायल हुए लोगों से मिलने गए थे। नड्डा अस्पताल पहुंचे और विरोध प्रदर्शन के दौरान घायल होने के बाद इलाज के लिए भर्ती लोगों से बातचीत की। अपने दौरे के दौरान, केंद्रीय मंत्री ने डॉक्टरों के साथ बैठक भी की ताकि घायलों की हालत और उन्हें दी जा रही मेडिकल देखभाल का जायजा ले सकें। इलाज की व्यवस्थाओं का जायजा लेने और

घायलों से मिलने के बाद नड्डा अस्पताल से चले गए। नड्डा के अलावा, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्वा ने भी RML अस्पताल में घायल प्रदर्शनकारियों से मुलाकात की। सोमवार को संसद की ओर CJP का विरोध I मार्च हिंसक हो गया था। दिल्ली पुलिस का दावा है कि झड़पों में 118 से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हुए। साथ ही, लगभग 60 प्रदर्शनकारियों के भी घायल होने की खबर है। पुलिस के मुताबिक, प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर पुलिसकर्मियों पर



पत्थर और दूसरी चीजें फेंकीं, बैरिकेड तोड़ने की कोशिश की, पुलिस और सरकारी गाड़ियों में तोड़-फोड़ की और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। पुलिस ने कर्नाट प्लेस और पार्लियामेंट स्ट्रीट में हुई कथित

तोड़-फोड़ और पत्थरबाजी के मामले में अज्ञात लोगों के खधिलाफ FIR दर्ज की है। CJP का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से मिला और कई मांगें रखीं, जिनमें प्रधान का इस्तीफा, जान गंवाने वाले NEET उम्मीदवारों के परिवारों को 1 करोड़ रुपये का मुआवजा और सफदरजंग अस्पताल में इलाज करा रहे क्लाइमेट एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक की तुरंत रिहाई शामिल है। ब्श्च के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि जब तक प्रधान इस्तीफा नहीं देते, तब तक विरोध प्रदर्शन

जारी रहेगा। राज्यसभा में सदन के नेता नड्डा ने कहा कि उन्हें प्रदर्शनकारियों से सरकार के साथ बातचीत करने का प्रस्ताव मिला है और उन्होंने उनसे अपना धरना खत्म करने की अपील की। इस बीच, सोनम वांगचुक का सफदरजंग अस्पताल में डॉक्टरों की एक मल्टी-डिसिप्लिनरी टीम की देखरेख में इलाज चल रहा है। अस्पताल के ताजा बुलेटिन के अनुसार, उनके वाइटल पैरामीटर्स स्थिर हैं, हालाँकि उनका ब्लड शुगर लेवल कम बना हुआ है और सीएम पीटेशियम लेवल 3.2 उच्च दर्ज किया गया है।



प्रमुख और लोकसभा सांसद अखिलेश यादव ने मंगलवार को केंद्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने पेपर लीक के कथित मामले और राजधानी में सीजेपी के विरोध-प्रदर्शन के दौरान

पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए और कहा कि परीक्षाओं की शुविता बनाए रखना सरकार की जिम्मेदारी है। संसद में पत्रकारों से बात करते हुए यादव ने कहा कि सरकार पेपर लीक रोकने में नाकाम रही है और उन्होंने सत्ताधारी सरकार के कामकाज पर सवाल उठाए। समाजवादी पार्टी

के प्रमुख ने सोमवार के विरोध-प्रदर्शन के दौरान पुलिस की कार्रवाई की भी आलोचना की और आरोप लगाया कि छात्रों पर बहुत ज्यादा बल प्रयोग किया गया।

कांग्रेस का धरना खत्म 6 सांसदों के विलय की वैधानिकता पर छिड़ी बहस

हिरासत में राहुल-प्रियंका गांधी और अखिलेश यादव अब सुप्रीम कोर्ट पर टिकी सबकी निगाहें

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मंगलवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री के सरकारी आवास,

गान और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शन में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव



7 लोक कल्याण मार्ग के बाहर विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। उन्होंने शंकां करोच जनता पार्टीश (ब्ल्चरे) के संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की कार्रवाई को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रच्

प्रियंका गांधी वाड्वा, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड्गे, पवन खेड़ा, पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह (ब्ल्चरे) के संसद मार्च के दौरान राजा वडिंग, दीपेंद्र हुड्डा और कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने की बात

विपक्ष के नेता से मुलाकात के बाद राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने राहुल गांधी से धरना खत्म करने को कहा क्योंकि वह जगह विरोध-प्रदर्शन के लिए नहीं थी। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह के अनुसार, अधिकारियों ने राहुल गांधी से प्रच् गानमंत्री आवास के बाहर अपना धरना खत्म करने का अनुरोध किया। उन्होंने जनता को होने वाली असुविधा का हवाला दिया और कहा कि वह जगह विरोध-प्रदर्शन के लिए तय नहीं थी। सिंह ने बताया कि गांधी विरोध खत्म करने को तैयार हो गए, बशर्ते सरकार छम्प् और छात्रों के चल रहे आंदोलन से जुड़े सभी मुद्दों पर संसद में चर्चा का भरोसा दे। मंत्री ने दावा किया कि सरकार के शीर्ष नेतृत्व से मंजूरी लेने के बाद गांधी को भरोसा दिलाया गया कि इस मामले पर संसद में चर्चा होगी। हालांकि, सिंह ने कहा कि बाद में गांधी ने एक और मांग जोड़ दी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा। उन्होंने कहा कि जब तक दोनों मांगें छम्प् से जुड़े मुद्दों पर संसद में चर्चा और शिक्षा मंत्री का इस्तीफा पूरी नहीं होती, तब तक वे धरना खत्म नहीं करेंगे।



शिवसेना (उबाठा) ने अपने छह सांसदों के महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल होने को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा मंजूरी दिए जाने को चुनौती देते हुए मंगलवार को उच्चतम न्यायालय का रुख किया। शिवसेना (उबाठा) की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता देवदत्त कामत ने प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत तथा न्यायमूर्ति जय्यामाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ के समक्ष मामले का उल्लेख किया। कामत ने पीठ से आग्रह

किया कि याचिका को बुधवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाए। इस पर प्रच् गान न्यायाधीश ने कहा, “हम देखेंगे।” कामत ने पीठ को बताया कि लोकसभा अध्यक्ष ने 18 जुलाई को शिवसेना (उबाठा) के छह सांसदों के शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल होने को मंजूरी दे दी थी। उन्होंने कहा, “अध्यक्ष ने छह सांसदों के विलय को मान्यता दे दी है।” कामत ने दलील दी कि यह राष्ट्रीय स्तर पर एक नया चलन बन गया है, जिसमें सांसद उन दलों में शामिल हो रहे हैं जिनके खिलाफ उन्होंने चुनाव लड़ा और जीत हासिल की थी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मानसून सत्र शुरू होने से पहले 18 जुलाई को शिवसेना (उबाठा) के छह सांसदों के शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल होने को मंजूरी दी थी। आधि कारिक सूत्रों के अनुसार, इन छह सांसदों को मिला कर लोकसभा में शिवसेना की सदस्य संख्या बढ़कर 13 हो गई है।

उत्तराखंड में भारी बारिश और भूस्खलन के बाद दोबारा शुरू हुई चारधाम यात्रा

देहरादून। उत्तराखंड में लगातार हो रही बारिश और भूस्खलन की वजह से एहतियात के तौर पर अस्थायी रूप से रोकी गई प्रसिद्ध चारधाम यात्रा मंगलवार को एक बार फिर शुरू हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को इस यात्रा को स्थगित किया गया था, लेकिन यात्रा मार्गों की आवश्यक समीक्षा और सुरक्षा इंतजामों का जायजा लेने के बाद इसे पुनः सुचारु रूप से संचालित करने का फैसला लिया गया। गढ़वाल के आयुक्त आनंद स्वरूप ने जानकारी दी कि चारधाम यात्रा को पूरी तरह सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए यात्रा से जुड़े सभी जिलों के प्रशासन, पुलिस, राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) और अन्य संबंधित विभागों के बीच आपसी तालमेल बनाकर काम किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यात्रा मार्गों की लगातार निगरानी की जा रही है और स्पेदनशील क्षेत्रों में विशेष सावधानी बरती जा रही है। आयुक्त ने तीर्थयात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा के दौरान विशेष सावधानी बरतें। उन्होंने कहा कि यदि मौसम खराब होने भारी बारिश या भूस्खलन के कारण मार्ग कहीं भी अस्थायी रूप से बाधित होता है तो यात्री अपनी सुरक्षा के लिए प्रशासन द्वारा तय किए गए सुरक्षित स्थानों या होलिंग एरियाश में ही रुकें।

दिल्ली प्रोटेस्ट में घायल बच्चों की मदद के लिए अरविंद केजरीवाल का बड़ा ऐलान, मेडिकल और लीगल हेल्प का वादा

हिंसक झड़पों के बाद दिल्ली पुलिस को जंतर-मंतर खाली करना पड़ा था, लेकिन उसके अगले ही दिन, यानी सोमवार देर रात कॉकरोच जनता पार्टी के सदस्य विरोध स्थल पर लौट आए और राजधानी में अपना आंदोलन फिर से शुरू कर दिया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को शांतिपूर्ण ढंग से इकट्ठा होने की इजाजत तो दी, लेकिन सुरक्षा काफी बढ़ा दी गई है क्योंकि आशंका है कि प्रदर्शनकारी एक बार फिर संसद की ओर मार्च करने की कोशिश कर सकते हैं। यह नया विरोध प्रदर्शन सोमवार को हुई



हिंसा के बाद हो रहा है, जिसमें 100 से ज्यादा पुलिस और पैरामिलिट्री जवान घायल हो गए थे और हंगामा करने वालों के खिलाफ कई थ्द दर्ज की गई थीं। पुलिस के मुताबिक, दिन भर चली हिंसा के बाद इलाके

को खाली कराए जाने के बाद सोमवार देर रात प्रदर्शनकारी फिर से जंतर-मंतर पर जुटने लगे। अधिकारियों ने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को इकट्ठा होने से नहीं रोका जाएगा, लेकिन चेतावनी दी कि कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा करने की किसी भी कोशिश पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। हालात को काबू में रखने के लिए विरोध स्थल और उसके आसपास सुरक्षाकर्मियों की भारी तैनाती की गई है।

राहुल और प्रियंका

घायल प्रदर्शनकारियों से मिलने RML अस्पताल पहुंचे

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी आज राम मनोहर लोहिया (ल्डरे) अस्पताल पहुंचे। वे उन लोगों से मिलने गए थे जो एक दिन पहले ब्ल्च प्रोटेस्ट मार्च के दौरान पुलिस की कार्रवाई में घायल हो गए थे। यह दौरा राहुल गांधी द्वारा आज सरकार की कड़ी आलोचना के बाद हुआ है, जिसमें उन्होंने प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ कार्रवाई के लिए केंद्र के रवैये को बेहद अहंकारी बताया था।

श्निकाह हलालाश को अपराध घोषित करेगा, बहुविवाह पर रोक लगाएगा और लिब-इन रिलेशनशिप में रहने वाले जोड़ों के लिए अपने रिश्ते को एक महीने के भीतर रजिस्टर कराना जरूरी बनाएगाय ऐसा न करने पर उन्हें तीन महीने तक की जेल हो सकती है। इसमें सभी समुदायों के लिए एक ही जीवनसाथी रखने (मोनोगैमी) का नियम भी शामिल है, जिसके तहत कोई भी व्यक्ति एक समय में एक से ज्यादा जीवित जीवनसाथी नहीं रख सकता। इसके अलावा, शहरी इलाकों में डर्च् ई-नगरपालिका पोर्टल के जरिए शादियों और तलाकच् का रजिस्ट्रेशन कराना जरूरी होगा।

ग्रामीण इलाकों में, रजिस्ट्रेशन का काम ैकड द्वारा नगर पालिकाओं या पंचायतों के जरिए किया जाएगा। साथ ही, बिल में निकाह हलाला को सजा-योग्य आपराधिक अपराध माना गया है। मध्य प्रदेश कैबिनेट ने रविवार को यूनिफॉर्म सिविल कोड के ड्राफ्ट को मंजूरी दी, जिसे सोमवार को राज्य विधानसभा में पेश किया जाना था। सोमवार को स्पीकर नरेंद्र सिंह तोमर के यह कहने के बाद कि इस मामले पर अगले दिन चर्चा होगी, मंगलवार को बिल को फिर से पेश किया गया। यह ड्राफ्ट जस्टिस रंजना देसाई (रिटायर्ड) कमेटी ने तैयार किया था और पिछले हफ्ते मुख्यमंत्री मोहन यादव को सौंपा था।

झारखंड के हजारीबाग में जंगली हाथियों ने एक व्यक्ति को कुचलकर मार डाला, वन विभाग ने तैनात की टीम

हजारीबाग (झारखंड), 21 बरकट्टा थाना प्रभारी आशीष जुलाई झारखंड के हजारीबाग जिले में जंगली हाथियों ने एक अंधेड़ व्यक्ति को कुचलकर मार डाला। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना सोमवार को बरकट्टा थाना क्षेत्र के बरकनगांगो गांव में हुई।



मृत व्यक्ति की पहचान इसी गांव के निवासी चिंतामणि साव के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि मंगलवार को उनका शव एक खेत में पड़ा मिला।

अस्पताल भेज दिया गया है। बरही वन क्षेत्र के पदाधिाकारी सत्येंद्र कुमार चौधरी ने बताया कि पीड़ित परिवार को तत्काल राहत के रूप में एक लाख रुपये दिए गए हैं, जबकि शेष मुआवजा औपचारिकताएं पूरी होने के बाद दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि फिलहाल क्षेत्र में तीन हाथी विचरण कर रहे हैं। हाथियों को इलाके से खदेड़ने के लिए वन विभाग ने 15 सदस्यीय त्वरित प्रतिक्रिया बल की टीम तैनात की है।

**भाजपा सिद्धार्थनगर की सभी
विधानसभाओं में एक साथ बूथ सम्मेलन का
दैनिक बुद्ध का संदेश आयोजन**

का रक्षा है। योः पलकानु गिरा रानी
का सम्मेलन लोहिया कला भवन,
सिद्धार्थनगर, शोहरतगढ़ का कृ
ष्ण मुरारी मैरिज हॉल खुनुआ
बाईपास रोड, बांसी
का रानी लक्ष्मी विवाह
याटिका, इटवा का
जीवनसाथी मैरिज
हॉल मिलौरी, तथा
दुमरियागंज का
मंगल भवन में
आयोजित किया जा
रहा है। इन सम्मेलनों
का उद्देश्य बूथ स्तर
तक संगठन को
मजबूत करना तथा
कार्यकर्ताओं के बीच
बेहतर समन्वय स्थापित करना
है।

‘बुद्ध का संदेश’ ने उछाया
बूढ़ी राप्ती और तटबंध की
सुरक्षा का मुद्दा – डीएम पहुंचे
मौ के पर, ड्रेनेज व सिंचाई
विभाग के अधिकारियों को
दिए अलर्ट’ रहने के सख्त
निर्देश

संस्थाओं की रणनीति को प्रयुक्त करने से उठाते हुए प्रशासन का ध्यान संसंधिभावित खतरों की ओर आकर्षित किया था। खबरों में प्रकाशित होने के बाद प्रशासनिक सक्रियता तेज हुई और जिलाधिकारी ने स्वयं मौके पर पहुंचकर तलबंध का स्थलीय निरीक्षण जिलाधिकारी की स्थिति निरीक्षण और संबंधित विभागों को दिए गए सख्त निर्देशों के बावजूद बाढ़ सुरक्षा को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। वहीं, तलबंध और आसपास के संवेदनशील क्षेत्रों की लगातार निगरानी के निर्देशों से स्थानीय लोगों ने भी राहत की उम्मीद जताई है।

करने पर भी जोर दिया।
के बाद उन्होंने माधव
त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज
रीक्षण कर इमरजेंसी वार्ड
में मरीजों का हाल जाना।
रों की समय पर उपस्थिति,
उपचार, अस्पताल की
-सफाई और जल निकासी

का प्रयास, ग्रामीणों

वश्यक सार्वजनिक कार्यों
लिए नाममात्र की भूमि
टौती होगी।
उन्होंने कहा कि इस
र ड्रोन, रोवर और 3D
डिजिटल (एआई) जैसी
नूतन तकनीकों के
मध्यम से भूमि का
जिटल और 3D रिट्रिब्यूट
मिलेख तैयार किया
गा। इससे चक्रोड और
यों का सटीक निर्धारण
अवैध कब्जों पर पक
तथा खेतों का बेहतर
उत्पाद होने से किसानों की
पर और आय बढ़ेगी।

करने के निर्देश दिए, ताकि आम सहमति के साथ चकबंदी प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा सके।

सम्पादकीय

विवाद तब उठना शुरू हुआ जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दस्ल के बाद अमेरिकी स्ट्राइकर फोलारिन बालोगुन पर से एक मैच का बैन हटा लिया गया, जिसके बाद बालोगुन ने राउंड–अश्वफ–16 का मैच खेला। लेकिन इस अभूतपूर्व दस्ल के बाद दंभी अमेरिका टूर्नामेंट से बाहर होने से नहीं बच पाया। इसमें कोई हैरानी नहीं होनी चाहिए कि जब डोनाल्ड ट्रंप फीफा प्रमुख जिरानी इन्फेंटिनो के ...

सरकारी सुस्ती और प्राइवेट रॉकेट की चुस्ती

इधर आम आदमी सोच रहा है कि गांव का रास्ता सड़क अभी गड्डों वाला है, पर चलो शुरु है, कम से कम स्पेस की तरफ जाने का रास्ता सही है। रॉकेट भी अब प्राइवेट वाला हो गया है। हाल में प्राइवेट रॉकेट विक्रम वन लॉन्च हुआ। सरकारी रॉकेट और प्राइवेट रॉकेट के चाल–चलन में बड़ा फर्क होता है। सरकारी रॉकेट लॉन्च होने से पहले सात कमेटियां बैठती हैं, ग्यारह फाइलें घूमती हैं, और लॉन्च की तारीख इतनी बार टलती है कि पड़ोसी पूछने लगते हैं भाई रॉकेट है कि सरकारी शादी, बार–बार मुहूर्त बदल रहा है। प्राइवेट रॉकेट में मामला सीधे ा है, फंडिंग आई, टेस्टिंग हुई, उड़ान भर दी। और सबसे बड़ा फर्क यह कि सरकारी रॉकेट फेल हो तो जांच कमेटी बैठती है, प्राइवेट रॉकेट फेल हो तो अगला फंडिंग राउंड आ जाता है, नाम बदलकर वर्जन दू लॉन्च हो जाता है, फेलियर को लर्निंग कहा जाता है, यही स्टार्टअप कल्चर की असली ताकत है, हारने को भी रणनीति में बदल देना। नेताओं ने बधाई देनी शुरु कर दी, हर कोई हैशटैग लगाकर बता रहा है कि यह उपलब्धि किस तरह उनकी सोच का विस्तार है, जबकि रॉकेट बनाने में उनका योगदान बस इतना रहा कि उन्होंने रास्ता नहीं रोका। इधर आम आदमी सोच रहा है कि गांव का रास्ता सड़क अभी गड्डों वाला है, पर चलो शुक्र है, कम से कम स्पेस की तरफ जाने का रास्ता सही है। ट्रंप ने पाक जनरल आसिम मुनीर से कहाकृजिस अमेरिका–ईरान समझौते के लिए तू नोबेल शांति अवॉर्ड मांग रहा था, वह चार हफ्ते नहीं चला। मुनीरकृ सर मैं तो चाइनीज आइटमों में डील करता हूं, ये चलते कहां हैं। सर शांति डील चाइनीज था, गारंटी नहीं थी, सिर्फ पैकिंग अच्छी थी। इधर विक्रम–1 की कामयाबी पर सोशल मीडिया पर बधाइयों की बाढ़ आ गई। हर कोई अपनी प्रोफाइल फोटो के आगे तिरंगा लगाकर लिख रहा है कि आज गर्व का दिन है, जबकि उसका योगदान बस इतना रहा कि उसने लाइव स्ट्रीम के दौरान मोबाइल का डेटा खर्च किया। कुछ लोग तो ऐसे भी थे जो कल तक रॉकेट और सॉकेट सैलरी फर्क नहीं जानते थे, आज एक्सपर्ट बनकर थ्रस्ट और ऑर्बिट पर ज्ञान दे रहे हैं।

एकत्र होने की भावना इसलिए इतनी व्यापक हो पाई कि इसने नागरिकों के बहुत बड़े वर्ग की नब्ज को छुआय हर कोई अपनी–अपनी चिंताओं की वजह से आया, यहां उन्हें अपनी चिंताओं हेतु साझा भाषा मिली। जाहिर है कि तमाम व्यवस्थाओं को धीरे–धीरे खोखला किया जा रहा, और शिक्षा–जो किसी गणतंत्र द्वारा अपने युवाओं से किया गया सबसे बुनियादी वादा होता है– गिरावट की ...

सीजेपी के संसद मार्च के दौरान बलप्रयोग हुआ, जो ऐसे आंदोलनों के मजबूत व टिकाऊ होने का सबूत माना जाता है। इसके अगुआ सोनम वांगचुक के खिलाफ पुलिस कार्रवाई के बावजूद आंदोलन कमजोर नहीं हुआ। बेरोजगारी, शिक्षा, असमानता और लोकतंत्र से जुड़ी चिंताओं ने इसे व्यापक समर्थन दिलाया है। कल दोपहर, जब ‘कॉकरोच जनता पार्टी’ आंदोलनकारियों ने संसद की ओर कूच किया, तो सत्ता के नशे में चूर सरकार ने – जो किसी भी किसम का विरोध सहना तो एक तरफ, असहमति तक बर्दाश्त नहीं करती–अपने अहंकार में उन युवाओं पर हाथ उठवाया जिन्होंने सिर्फ उपवास किया था, धरना दिया और अपनी बात रखी थी। आज दोपहर हुई धक्का–मुक्की, लाठीचार्ज, खून बहना और आंसू गैस के दृश्य भुलाना मुश्किल होगा। यह उस घटनाक्रम का नतीजा था जो शनिवार सुबह, 18 जुलाई को शुरु हुआ था, जब इस आंदोलन से जुड़े सबसे जाने–माने चेहरों में से एक, सोनम वांगचुक को पुलिस ने बेहद कमजोर व बेबुनियाद

कारणों के आधार पर वहां से हटाया। शनिवार और रविवार को, उनकी गैर–मौजूदगी में भी जंतर–मंतर पर विरोध प्रदर्शन अनवरत जारी रहा। तथापि, अगर इस हिंसा के पीछे मकसद आंदोलन को तोड़ना था, तो पिछले कुछ दिनों ने इसके उलट साबित कर दिखाया। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आंदोलन किसने शुरु किया, अब इसका नेतृत्व कौन कर रहा, या वहां मौजूद सभी हर मुद्दे पर सहमत हैं या नहीं। मायने यह रखता है कि युवाओं ने इतनी बड़ी संख्या में आकर सामूहिक रोष जताया। यह किसी एक चेहरे, नाम या पार्टी से कहीं बड़ी बात है। अपनेआप में लोकतंत्र की जबरदस्त लहर है। मैंने अपने सामने यह होते देखा, पहले शनिवार को और फिर आज। मैं 18 जुलाई को जंतर–मंतर पर उपवासरत छात्रों के साथ एकजुटता दिखाने गया था। पहले इसलिए नहीं जा सका कि दिल्ली से बाहर, अपने



गृह राज्य में कुछ जरूरी और न टाली जा सकने वाली प्रतिबद्धताओं में व्यस्त था। जब उस सुबह सोनम वांगचुक को हिरासत में लेने की खबर मिली, तो कुछ पल के लिए सोचा कि क्या ऐसे समय में विरोध स्थल पर जाना उचित होगा। मैंने सोचा कि अवश्य ही माहौल मायूसी भरा होगा। फिर खुद को याद दिलाया कि एकजुटता दिखाने का असली औचित्य तो तभी है, जब आंदोलन को उराने या हौसला तोड़ने की कोशिश की जा रही हो। जंतर–मंतर पर मैंने जो देखा, वह मेरी कल्पना से बिल्कुल अलग

छात्रों की गूंज’ कार्यक्रम ने यह साफ संकेत दे दिया है कि भविष्य की राजनीति में जाति और धर्म के पारंपरिक औजारों के समानांतर रोजगार, शिक्षा और समान अवसर भी उतने ही प्रभावशाली चुनावी मुद्दे बनने जा रहे हैं। उत्तराखंड की राजनीति पारंपरिक रूप से राष्ट्रवाद, सैन्य गौरव और धार्मिक अस्मिता के इर्द–गिर्द घूमती रही है। लेकिन हाल ही में देहरादून में आयोजित ‘छात्रों की गूंज’ कार्यक्रम ने राज्य और देश की मुख्यधारा की राजनीति को एक नया वैचारिक मोड़ दे दिया है। दो निरंतर कार्यकालों की सत्ता विरोधी लहर (एंटी–इंकम्बेंसी) से जुड़ा रही भाजपा के खिलाफ विपक्ष के पास मुद्दों का अंबार था। बेरोजगारी और महंगाई जैसे राष्ट्रव्यापी विषयों से लेकर बद्रीनाथ में दान चोरी के कथित विवाद और अंकिता भंडारी हत्याकांड जैसे बेहद संवेदनशील स्थानीय मुद्दों तक, कांग्रेस के तरकश में कई तीर थे। पूरा राजनीतिक अमला और सत्ता पक्ष इस बात के लिए मुस्तैद था कि लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी देहरादून की धरती से इन सभी ज्वलंत मुद्दों पर तीखे तीर चलाएंगे। विशेष रूप से सैन्य बाहुल्य प्रदेश होने के नाते भाजपा को पूरा यकीन था कि राहुल गांधी ‘अग्निवीर योजना’ को लेकर सरकार को घेरेंगे। यही वजह थी कि राज्य सरकार ने रक्षात्मक रुख अपनाते हुए 17 जुलाई की शाम 5 बजे राहुल के कार्यक्रम से ठीक पहले

आनन–फानन में अग्निवीर योजना को लेकर एक भव्य कार्यक्रम आयोजित कर डाला और सरकार में ‘अग्निवीर प्रकोष्ठ’ के गठन जैसी



बड़ी घोषणाएं भी कर दीं। सरकार ने विपक्ष के सबसे बड़े हमले की धार को पहले ही कुंद करने की पूरी बिसात बिछा रखी थी। लेकिन देहरादून के मंच पर राहुल गांधी ने न तो अग्निवीर का जिक्र किया और न ही अन्य राजनीतिक विवादों का। राहुल गांधी का पूरा ध्यान केवल और केवल एक मुद्दे पर केंद्रित रहाकृपेपर लीक और छात्रों के भविष्य पर सुनियोजित आघात।’ राहुल गांधी का यह रुख किसी राजनीतिक चूक का परिणाम नहीं, बल्कि एक गहरी और सुनियोजित दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है। कांग्रेस ने समझ लिया है कि राष्ट्रवाद और सैन्य मुद्दों पर भाजपा को उसकी पिच पर घेरना कई बार आत्मघाती

‘छात्रों की गूंज’ और बदलता चुनावी विमर्श

युवा मतदाता आज किसी भी राजनीतिक दल की किस्मत बनाने या बिगाड़ने में सबसे निर्णायक कारक बन चुके हैं। वे सोशल मीडिया के दौर में जी रहे हैं, वे जागरूक हैं और अपनी समस्याओं के राजनीतिकरण को अच्छी तरह समझते हैं। राहुल गांधी के देहरादून दौरे ने यह साफ कर दिया है कि कांग्रेस अब लोकलुभावन और भावनात्मक बहसों के जाल में फंसने के बजाय सीधे उस मोर्चे पर लड़ना चाहती है, जहां सरकार सबसे ...

साबित होता है। अग्निवीर पर बोलते ही बहस ‘सेना के मनोबल’ बनाम ‘राजनीति’ पर केंद्रित हो जाती, जिससे मूल मुद्दा भटक जाता। उन्होंने राज्य के अन्य भावनात्मक मुद्दों को छुए बिना अपना पूरा फोकस देश और राज्य के युवाओं की सबसे दुखती रगकृ‘पेपर लीक’कूपर रखा। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि कांग्रेस की भावी रणनीति के केंद्र में अब ‘युवा और छात्र’ आ चुके हैं। इससे पहले कोटा में छात्रों से संवाद के दौरान राहुल गांधी ने वर्तमान शिक्षा और परीक्षा प्रणाली को ‘रिजेक्शन सिस्टम’ करार दिया था। देहरादून का कार्यक्रम इसी वैचारिक विमर्श का अगला और अधिक परिपक्व पड़ाव था। यह जनसभा युवाओं की आकांक्षाओं, रोजगार, शिक्षा और अवसरों की उपलब्धता पर केंद्रित एक गंभीर संवाद था। उत्तराखंड पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न भर्ती परीक्षाओं, जैसे यूकेएसएसएससी और लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में कथित पेपर लीक और अनियमितताओं को लेकर राष्ट्रीय सुर्खियों में रहा है। हालांकि, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सरकार ने त्वरित कदम उठाते हुए देश का सबसे कड़ा ‘नकल विरोधी कानून’ लागू किया और कई मामलों में गिरफ्तारियां भी कीं। सरकार ने इस अपनी प्रशासनिक इच्छाशक्ति के रूप में पेश किया, लेकिन विपक्ष लगातार इसे इस रूप में प्रचारित करने में सफल रहा है कि व्यवस्था के भीतर बैठे लोग युवाओं के भविष्य के साथ ‘अनंत अन्याय’ कर रहे हैं। राहुल गांधी इसी सामूहिक हताशा

को एक बड़े राजनीतिक आंदोलन में बदलने की कोशिश कर रहे हैं। भारतीय राजनीति दशकों से जातिगत समीकरणों और धार्मिक ध्रुवीकरण के इर्द–गिर्द घूमती रही है। लेकिन ‘छात्रों की गूंज’ कार्यक्रम ने यह साफ संकेत दे दिया है कि भविष्य की राजनीति में जाति और धर्म के पारंपरिक औजारों के समानांतर रोजगार, शिक्षा और समान अवसर भी उतने ही प्रभावशाली चुनावी मुद्दे बनने जा रहे हैं। अब सरकार के सामने असली चुनौती यह होगी कि वह केवल कड़े कानून बनाने तक सीमित न रहे, बल्कि रोजगार और भर्ती व्यवस्था में सुधार के ऐसे ठोस और दृश्यमान परिणाम प्रस्तुत करें, जिससे युवाओं के बीच खोया हुआ भरोसा बहाल हो सके। यदि नियुक्तियां समय पर, बिना किसी धांधली के और पारदर्शी तरीके से होती हैं, तो विपक्ष के इस नैरेटिव की हवा अपने आप निकल जाएगी। युवा मतदाता आज किसी भी राजनीतिक दल की किस्मत बनाने या बिगाड़ने में सबसे निर्णायक कारक बन चुके हैं। वे सोशल मीडिया के दौर में जी रहे हैं, वे जागरूक हैं और अपनी समस्याओं के राजनीतिकरण को अच्छी तरह समझते हैं। राहुल गांधी के देहरादून दौरे ने यह साफ कर दिया है कि कांग्रेस अब लोकलुभावन और भावनात्मक बहसों के जाल में फंसने के बजाय सीधे उस मोर्चे पर लड़ना चाहती है, जहां सरकार सबसे ज्यादा संवेदनशील है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

इस छात्र आंदोलन के दीर्घकालीन होने का निहितार्थ

था। मायूसी और थकावट के बजाय, दृढ़ संकल्प और हिम्मत व्याप्त देखी। माहौल आशा, नैतिक विश्वास और सामूहिक मकसद के असाधारण भाव से लबरेज था। ये सब युवा कॉकरोच जनता पार्टी के बैनर तले इकट्ठा थे, ऐसा नाम जो विद्रोह दर्शाता है। जब तंत्र के सबसे ऊंचे ओहदों में से एक की ओर से देश के बेरोजगार युवाओं की तुलना के लिए कॉकरोच जैसे अपमानजनक शब्द का प्रयोग किया गया, तो युवाओं ने इस ताने को बतौर पहचान अपना लिया। सामाजिक आंदोलनों के समाजशास्त्र का अध्ययन करने, पढ़ाने और उनमें शामिल होने के पीछे मनोस्थिति का अध्ययन दशकों तक करने के बाद, मैं इस विरोध का विश्लेषण अकादमिक और राजनीतिक, दोनों नजरियों से किए बिना नहीं रह सकाय क्योंकि इसमें वे कई खूबियां थीं जिसकी तलाश श्नव सामाजिक आंदोलनों के सिद्धांतकार लोकतांत्रिक संघर्षों में करते हैं। सिर्फ लिखित सामग्री बांटने वाले या वर्ग–हितां के आधार पर होने वाले पारंपरिक आंदोलनों के उलट, यह जनांदोलन लोकतंत्र की जगह, संवैधानिक नैतिकता व नागरिकता की गरिमा बहाल करने के बारे में भी उतना ही था। एलेन ट्युएन का तर्क कि ऐसे आंदोलन समाज की दिशा तय करने के लिए आखिरी उपाय होते हैं– यानी उन मूल्यों को परिभाषित करना,जिनके साथ लोग जीना चाहते हैं–यह मुहिम ठीक उसे परिभाषित करती लगी जो ये युवा हासिल करना चाह रहे यअलबर्टों

मेलुची की अंतर्दृष्टि कि ऐसे अवसरों पर ताकत संगठनात्मक पदानुक्रम के बजाय सामूहिक पहचान व साझा अर्थों से चालित होती हैवह यहां साफ दिखी कि कैसे अजनबी लोग एक साझे मकसद हेतु साथी बन गए। फिर भी, मेरे मन में जो बात सबसे ज्यादा बनी है, उसका संबंध ढांचे के बारे में अधिक न होकर उस बिंदु पर है जो इस पहली बड़ी लामबंदी ने अपने बारे में साबित किया– और यहां बीते कुछ दिनों में हुआ दमन जाने–अनजाने, इस आंदोलन का सबसे मजबूत सबूत बन गया। इतनी बड़ी संख्या में लोगों का इकट्ठा होना, हुजूम में भी इतना जुड़ाव, पर्याप्त सबूत है कि यह

आंदोलन मात्र प्रभाव बनाने के लिए किया गया दिखावटी विरोध नहीं।

इसके स्वरूप में असल शिकायतों और सच्ची प्रतिबद्धता से उपजी झलक है। न कि वह जिसकी उम्मीद सरकारें अक्सर करती हैं, कि क्या यह आं दो लन षाणिक चिंगारी है जो जल्द बुझ जाएगी। सबसे बड़ी बात यह कि जिस सुबह इसके सबसे जाने–पहचाने

चेहरे को हिरासत में लेकर ले जाया गया, तब भी समूह ने न तो कोई गलती की, न ही बिखरा, बल्कि अपनी जगह शांति और संयम के साथ बनाए रखी, जो वह परिपक्वता, दृढ़ संकल्प दर्शाती है, वे खूबियां जिन्हें अक्सर युवाओं से जोड़कर नहीं देखा जाता। इसने दर्शा दिया कि आंदोलन मुख्य नेता के बिना भी चल सकता है। आंदोलन जो शनिवार सुबह अपने सबसे प्रमुख चेहरे को खोने के बाद भी सत्ताहांत भर डटा रहा, और फिर सोमवार को संसद तक मार्च कर सका, क्योंकि इस सवाल का जवाब देने का संकल्प कर रखा था कि क्या टिके रहना किसी एक व्यक्ति पर निर्भर है।

सिद्धार्थनगर का सबसे बड़ा फ्रीटींग पब्लिकेशन हाउस...
फ्रीडीपीएमपीडीएफफ्रीडीआईडी

बुद्ध पब्लिकेशन
ऑफसेट एण्ड प्रिन्टर्स

जी.एस.टी. श्रित बुक/फर्म •• **कार्यालय रजिस्टर** •• **रक्यूड कारपी/फार्म/अवरी** •• **फर्पलेट**
•• कलर पोस्टर •• **कलर डिप्लिमा कार्ड** •• **डिजिटल लेट पेंड** •• **बैंक फार्म**
लिकट-टीरो एनवेली, बीनूद मधुकरपुर-सिद्धार्थनगर (उ.प्र.)
☎ 8795951917, 9453824459

Email Id:- budhakasandesh@gmail.com
 Website Id:- budhakasandeshnews.com

निर्धारित लक्ष्य समय सीमा के अन्दर शत—प्रतिशत घटता भूजल स्तर कारण एवं निवारण गोष्ठी शुरू

निर्माण कार्य कराये जाये पूर्ण—जिलाधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनभद्र। जिलाधिकारी चंचित गौड़ ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में नवीन व्यवस्था अन्तर्गत सी0एम0 डैशबोर्ड के माध्यम से विकास कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि जिन विभागों को शासन द्वारा जो भी लक्ष्य निर्धारित किया गया है वह उसका शत—प्रतिशत निर्धारित समय अवधि में पूर्ण करना सुनिश्चित करें, इस दौरान पी0एम0 सूर्य घर योजना की समीक्षा की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि पी0एम0 सूर्य घर योजना के अन्तर्गत बैंक के माध्यम से सब्सिडी आदि की सुविधा बैंक के माध्यम से सुनिश्चित करायी जाये उन्होंने एल0डी0एम0 को निर्देशित करते हुए कहा कि पी0एम0 सूर्य घर योजना को अन्तर्गत जो भी लक्ष्य निर्धारित किये गये है उसका सत



प्रतिशत निस्तारण बैंकों के माध्यम जाये, समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी से सुनिश्चित किया जाये। इसी प्रकार से उन्होंने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी लोन योजना के भी प्रगति की समीक्षा की और उपायुक्त उद्योग एवं एल0डी0एम0 को निर्देशित करते हुए कहा कि प्राथमिकता के आधार पर मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के लाभार्थियों के पत्रावलियों का निस्तारण सुनिश्चित किया

सुनिश्चित किया जायेगा। बैठक के दौरान उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अधूरे निर्माण कार्यों को तीव्र गति से पूर्ण कराने की कार्यवाही सुनिश्चित किया जाये। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, जिला विकास अधिकारी श्री हेमन्त कुमार सिंह, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी श्री संतपाल वर्मा, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मुकुल आनन्द पाण्डेय, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुधांशु शेखर शर्मा, जिला विद्यालय निरीक्षक जय राम सिंह, डी0सी0 मनरेगा रवीन्द्र वीर सिंह, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह, परियोजना निदेशक डी0आर0डी0ए0 एस0के0 राय, जिला समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह भदौरिया सहित अन्य सम्बन्धितगण उपस्थित रहे।



प्रकाश चौबे विशिष्ट अतिथि अजीत कुमार सिंह, दिवाकर श्रीवास्तव कॉलेज के प्रबंधक जसवीर सिंह, आकाशवाणी केंद्र ओबरा के सौरभ तिवारी को माल्यार्पण व अंगवस्त्रम प्रदान कर सम्मानित किया। इसके पश्चात सभी अतिथियों एवं छात्राओं द्वारा पुरातात्विक धरोहरों पर आधारित लगाई गई विशेष प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दीपक कुमार केसरवानी ने सोनभद्र की जीवनदायिनी नदियों

हुए स्तर की निवारण के लिए हमें अधिक से अधिक संख्या में अपने घर आंगन खेत खलियान में वृक्षारोपण करना चाहिए ताकि यह वृक्ष बड़े होकर मानसून को रोके और बरसात हो। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता रविप्रकाश चौबे ने दैनिक जीवन में पानी की बचत और व्यक्तिगत प्रयासों पर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि बड़े उद्योगों के अलावा जल संरक्षण की शुरुआत हर घर से होनी चाहिए। उन्होंने रॉबर्ट्सगंज और सोनभद्र की धरती को बचाने की अपील करते हुए कहा कि सुबह ब्रश करते समय बेवजह नल खुला न छोड़ें और जल की एक—एक बूंद का सदुपयोग करें। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ. कुसुमाकर श्रीवास्तव ने पारंपरिक जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने की जरूरत की बात की। इस अवसर पर रुपेश कुमार झा, आशुतोष कुमार, दिनेश कुमार, हरि भजन सिंह, किरण सिंह, अनुपमा सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सोनभद्र पुलिस की बड़ी कार्रवाई मॉडिफाईड साइलेंसर प्रेशर हॉर्न और हूटर पर चला अभियान 620 अवैध उपकरण किए गए नष्ट

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनभद्र। अपर पुलिस महानिदेशक, यातायात निदेशालय उत्तर प्रदेश के निर्देश पर जनपद में यातायात नियमों के उल्लंघन के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सोनभद्र पुलिस ने मॉडिफाईड साइलेंसर, प्रेशर हॉर्न और हूटर का अवैध प्रयोग करने वाले वाहनों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ऋषभ रुणवाल के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी यातायात राज सोनकर के मार्गदर्शन में यातायात पुलिस एवं जनपदीय पुलिस की संयुक्त

टीमों ने अभियान चलाकर कुल 620 अवैध उपकरण जब्त किए, जिन्हें मंगलवार को नियमानुसार नष्ट कर दिया गया। पुलिस द्वारा 18 अप्रैल 2026 से प्रत्येक शनिवार एवं रविवार को विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के दौरान ऐसे वाहनों की जांच की गई, जिनमें नियमों के विपरीत मॉडिफाईड साइलेंसर, प्रेशर हॉर्न और हूटर लगाए गए थे। इसके अलावा सार्वजनिक स्थानों पर तेज आवाज में अश्लील, अभद्र और भड़काऊ गाने बजाकर ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध



भी कार्रवाई की गई। पुलिस ने ऐसे चालकों को भविष्य में इस प्रकार की गतिविधियों से दूर रहने की सख्त चेतावनी दी। अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने वाहनों से 70 मॉडिफाईड साइलेंसर, 450 प्रेशर हॉर्न और 100 हूटर उत्तरवाकर जब्त किए। इस प्रकार कुल 620 अवैध उपकरण पुलिस की कार्रवाई में

जब्त किए गए। 21 जुलाई 2026 को थाना रॉबर्ट्सगंज क्षेत्र के स्वर्ण जयंती चौक (बढ़ौली चौराहा) पर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में इन सभी जब्त उपकरणों का नियमानुसार विनष्टीकरण (नष्ट) किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस कार्रवाई का उद्देश्य ध्वनि प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना, यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराना तथा आमजन को शांत, सुरक्षित और अनुशासित यातायात व्यवस्था उपलब्ध कराना है। विनष्टीकरण कार्यक्रम के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार, क्षेत्राधिकारी यातायात राज

सोनकर, क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर कुमार मिश्रा तथा यातायात प्रभारी नरेन्द्र कुमार सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने वाहन चालकों और आमजन से अपील की कि वे अपने वाहनों में मॉडिफाईड साइलेंसर, प्रेशर हॉर्न और हूटर का प्रयोग न करें तथा सार्वजनिक स्थानों पर तेज आवाज में अश्लील, अभद्र एवं भड़काऊ गाने बजाकर ध्वनि प्रदूषण न फैलाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि नियमों का उल्लंघन करने वाले को विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम एवं अन्य प्रासंगिक कानूनी प्रावधानों के तहत कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं



सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सोनभद्र पुलिस द्वारा 'मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण' के अंतर्गत जनपद में व्यापक एवं प्रभावी जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के कुशल निर्देशन में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर समाज के सभी वर्गों को जागरूक किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित प्रमुख सामाजिक विषयों जैसे लिंगानुपात, लैंगिक समानता, बाल विवाह, लैंगिक शोषण, महिलाओं एवं बच्चों के प्रति होने वाली हिंसा, साक्षरता एवं स्वास्थ्य पर विशेष रूप से प्रकाश डालते हुए जनमानस को जागरूक किया गया। इस क्रम में जनपद के समस्त थानों की मिशन शक्ति टीमों द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में संवाद कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को गुड टच—बैड टच, आत्मरक्षा के उपाय, महिला उत्प्रीडन से संबंधित विधिक अधिकारों, तथा विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही साइबर अपराधों के बढ़ते खतरे को प्तिगत रखते हुए ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल/लैंक, सोशल मीडिया के दुरुपयोग, बैंकिंग धोखाधड़ी एवं व्च साझा न करने के संबंध में विशेष जागरूकता उत्पन्न की जा रही है।

बूंद—बूंद पानी बचाने का ब्लॉक कर्मियों और जन प्रतिनिधियों ने लिया संकल्प

भूजल संरक्षण सप्ताह के तहत गांव—गांव चलाया जा रहा जागरूकता अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनभद्र। म्योरपुर विकासखंड म्योरपुर परिसर में, सोमवार को भूजल संरक्षण सप्ताह के तहत लघु सिंचाई विभाग की ओर से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख मान सिंह गोंड और खंड विकास अधिकारी दिनेश मिश्रा के नेतृत्व में ब्लॉक कर्मियों, ग्राम प्रधानों, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं तथा ग्रामीणों ने भूजल बचाने और वर्षा जल का अधिकतम संरक्षण करने का सामूहिक संकल्प लिया। इस अवसर पर अधिकारियों ने कहा कि जल प्रति का अनमोल उपहार है और इसके बिना जीवन की कल्पना संभव नहीं है। बढ़ती



के अभाव में भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में पेयजल और सिंचाई दोनों के लिए गंभीर संकट उत्पन्न हो सकता है। इसलिए प्रत्येक नागरिक को पानी की एक—एक बूंद का महत्व समझते

हुए उसके संरक्षण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। ब्लॉक प्रमुख मान सिंह गोंड ने कहा कि जल संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं का विषय नहीं, बल्कि जनभागीदारी का अभियान है। हर व्यक्ति यदि अपने घर, खेत और गांव में वर्षा जल संचयन को बढ़ावा दे तथा जल स्रोतों की साफ—सफाई और संरक्षण में सहयोग करे तो भूजल स्तर को बढ़ाने में मदद मिलेगी। खंड विकास अधिकारी दिनेश मिश्रा ने बताया कि भूजल संरक्षण सप्ताह के दौरान विकासखंड के विभिन्न ग्राम पंचायतों में जागरूकता रैलियां, शपथ कार्यक्रम और जनसंवाद आयोजित किए जा रहे हैं। ब्लॉक के सभी गांव में लोगों को जागरूक

किया जा रहा। इन कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को वर्षा जल संचयन, जल का विवेकपूर्ण उपयोग तथा पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण के प्रति प्रेरित किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने जल की बर्बादी रोकने, वर्षा जल का अधिकतम संचयन करने, तालाबों, कुओं और अन्य जल स्रोतों की सुरक्षा करने तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों को संरक्षित रखने का सामूहिक संकल्प लिया। संकल्प अवर अभियंता काशी यादव ने दिलाया मौके पर राम बहादुर सिंह, अंकित सिंह अखिलेश कुमार, रामबृक्ष विश्वकर्मा, डीपी सिंह, राम भुवन, राम दयाल प्रजापति, राम दास, डॉ ब्रजेश सिंह, बबन गिरी, प्रदीप जायसवाल, आदि उपस्थित रहे।

योगी सरकार के सहयोग से आत्मनिर्भर बनीं संजू मिलेट्स उत्पादों से हर माह 20 हजार रुपये से अधिक की कमाई

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनभद्र। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के सहयोग से रॉबर्ट्सगंज ब्लॉक की ग्राम पंचायत सजौर के मजरा मझिगांव चौबे निवासी संजू कुशवाहा ने मिलेट्स आधारित उत्पाद बनाकर आत्मनिर्भरता की नई मिसाल पेश की है। संजू द्वारा तैयार किए गए कुकीज, बिरकुट, नमकीन और लड्डू स्थानीय बाजार में तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। वर्ष 2020 में एनआरएलएम से जुड़ने के



प्रशिक्षण प्राप्त किया। दिसंबर 2024 में मिशन से 20 हजार रुपये का ऋण लेकर उन्होंने

छोटे स्तर पर अपना व्यवसाय शुरू किया। शुरुआत में उत्पादन और विपणन में चुनौतियां आईं, लेकिन गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के दम पर उन्होंने बाजार में अपनी अलग पहचान बनाई। संजू की सफलता से प्रेरित होकर उनके स्वयं सहायता समूह से आठ महिलाएं जुड़ चुकी हैं। समूह की प्रत्येक महिला औसतन 10 हजार रुपये प्रतिमाह कमा रही है, जबकि संजू सभी खर्चों

के बाद हर महीने 20 हजार रुपये से अधिक की आय अर्जित कर रही हैं। संजू ने बताया कि एनआरएलएम के सहयोग और प्रशिक्षण ने उनके जीवन को नई दिशा दी। पहले पति की निजी नौकरी से परिवार का खर्च चलाना मुश्किल था, लेकिन आज उनकी बड़ी बेटी लखनऊ में पढ़ाई कर रही है और अन्य बच्चों को भी बेहतर शिक्षा मिल रही है। अब उनकी योजना आधुनिक मशीनें लगाकर उत्पादन बढ़ाने और बड़े बाजारों तक अपने उत्पाद पहुंचाने की है।

पत्रकारिता लोकतंत्र का चतुर्थ स्तंभ, समाज को सही दिशा दिखाने में स्थानीय समाचार पत्रों की भूमिका अहम- पल्लू राम सदर विधायक

‘दैनिक बुद्ध का संदेश’ के द्वितीय संस्करण बलरामपुर कार्यालय का भव्य उद्घाटन समारोह संपन्न



सच्ची पत्रकारिता वही है जो समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की आवाज़ बने और जनहित के मुद्दों को निष्पक्षता से उजागर करे। प्रधान संपादक राजेश शर्मा जी एवं उनकी पूरी टीम को इस भव्य शुभारंभ पर हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए ढेरों शुभकामनाएँ। - पल्लू राम सदर विधायक बलरामपुर



दैनिक बुद्ध का संदेश का यह द्वितीय संस्करण और नया कार्यालय बलरामपुर क्षेत्र में जनसमस्याओं को मुखरता से उठाने और विकास की गति को नई दिशा देने का एक सशक्त माध्यम बनेगा। क्षेत्रीय पत्रकारिता लोकतंत्र की नींव को मजबूत करती है, इस अवधारणा का यह विस्तार समाज को जागरूक करने में मील का पत्थर साबित होगा।- कैलाश नाथ शुक्ला, विधायक तुलसीपुर



पत्रकारिता समाज का दर्पण होती है, जो जनसमस्याओं को शासन-प्रशासन तक पहुँचाने में सेतु का कार्य करती है। क्षेत्र के विकास और जनहित के मुद्दों को मुखरता से उठाने में यह समाचार पत्र मील का पत्थर साबित होगा।- श्रीमती आवा सिंह जिला उपाध्यक्ष भाजपा



प्रधान संपादक राजेश शर्मा के कुशल नेतृत्व में यह समाचार पत्र निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता की सबसे नींव होती है। पत्रकारों का दायित्व है कि वे बिना किसी के उच्च मानदंडों को स्थापित कर रहा है। मुझे पूर्ण दबाव या पूर्वाग्रह के सच्चाई को आम जनमानस तक पहुँचाएँ दैनिक विश्वास है कि 'दैनिक बुद्ध का संदेश' का यह बुद्ध का संदेश अपने प्रकाशन काल से ही सत्य, पारदर्शिता और द्वितीय संस्करण बलरामपुर क्षेत्र में निष्पक्ष और निष्ठा के साथ जनहित के मुद्दों को उठाता रहा है। मुझे पूर्ण विश्वास विकासपरक पत्रकारिता को नई ऊँचाइयाँ है कि बलरामपुर में इस द्वितीय संस्करण और नए कार्यालय के शुभारंभ देगा।-राजेश्वर मिश्रा, वारिष्ठ समाज सेवी से निष्पक्ष पत्रकारिता को और अधिक बल मिलेगा।-डी.पी. सिंह, प्रतिनिधि नगर पालिका अध्यक्ष बलरामपुर



बलरामपुर। बलरामपुर स्थित रुद्राक्ष पैलेस में 'दैनिक बुद्ध का संदेश' के द्वितीय संस्करण तथा दैनिक सत्ता मंत्र बलरामपुर कार्यालय का भव्य उद्घाटन समारोह अत्यंत हर्षोल्लास और गरिमामयी माहौल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ पत्रकारों ने भारी संख्या में शिरकत कर इस ऐतिहासिक क्षण को और अधिक गौरवशाली बनाया। घसमारोह का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और मां वीणावादिनी की वंदना के साथ हुआ। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों और वक्ताओं ने स्वतंत्र एवं निष्पक्ष पत्रकारिता के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला और अखबार के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में श्वर्तमान पत्रकारिता विधायक एक संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया, जिसमें पत्र-पत्रिकाओं की सामाजिक जवाबदेही और जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने पर गंभीर चर्चा हुई। अतिथियों द्वारा समाचार पत्र के संबंध में उद्गार: सच्ची पत्रकारिता वही है जो समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की आवाज़ बने और जनहित के मुद्दों को निष्पक्षता से उजागर करे। दैनिक बुद्ध का संदेश का यह द्वितीय संस्करण और नया कार्यालय बलरामपुर क्षेत्र में जनसमस्याओं को मुखरता से उठाने और विकास की गति को नई दिशा देने का एक सशक्त माध्यम बनेगा। क्षेत्रीय पत्रकारिता

लोकतंत्र की नींव को मजबूत करती है, इस अखबार का यह विस्तार समाज को जागरूक करने में मील का पत्थर साबित होगा। प्रधान संपादक राजेश शर्मा के कुशल नेतृत्व में यह समाचार पत्र निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता के उच्च मानदंडों को स्थापित कर रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए



प्रकाशन के प्रधान संपादक राजेश शर्मा ने सभी आगंतुकों, अतिथियों और शुभचिंतकों का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पाठकों का विश्वास और सहकार ही इस समाचार पत्र की असली पूंजी है। घसमारोह में विधायक तुलसीपुर कैलाश नाथ शुक्ला, प्रधान संपादक राजेश शर्मा, गेल्लापूर मंदिर के पूज्य महंत ब्रिजानंद जी महाराज, वरिष्ठ समाजसेवी राजेश्वर मिश्रा, जिला मीडिया प्रभारी भाजपा डी.पी. सिंह, बैंक के पूर्व अधिकारी डी.पी. शर्मा, जिला उपाध्यक्ष भाजपा आद्या सिंह, जिला प्रभारी शिवांशु शुक्ला, प्रबंधक संपादक सौरभ मिश्रा, सह संपादक कमलेश मिश्रा, विशाल सिंह राणा, राज्य मुख्यालय प्रभारी राजीव मिश्रा, मंडल प्रभारी प्रमोद मिश्रा,

कार्यालय प्रभारी बृजेश चौहान, जिला संवाददाता विजयपाल, समाचार प्रतिनिधि दिनेश चौधरी, इमरान, रिजवान, राहुल रतन सहित चिकित्सा विभाग के सम्मानित अधिकारियों, वरिष्ठ पत्रकार बंधुओं और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों

उज्ज्वल भविष्य के लिए ढेरों शुभकामनाएँ।- सदर विधायक पल्लू राम निष्पक्ष पत्रकारिता ही किसी भी स्वस्थ समाज और मजबूत लोकतंत्र की सबसे सुदृढ़ नींव होती है। पत्रकारों का दायित्व है कि वे बिना किसी दबाव या पूर्वाग्रह के सच्चाई को आम जनमानस तक पहुँचाएँ। दैनिक बुद्ध का संदेश अपने प्रकाशन काल से ही सत्य, पारदर्शिता और निष्ठा के साथ जनहित के मुद्दों को उठाता रहा है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि बलरामपुर में इस द्वितीय संस्करण और नए कार्यालय के शुभारंभ से

अधिक बल मिलेगा। पत्रकारों को पूरी ईमानदारी, निष्ठा और सत्यनिष्ठा के साथ अपनी कलम चलानी चाहिए, क्योंकि जनता का विश्वास ही पत्रकारिता की असली ताकत है। पत्रकारिता का मूल उद्देश्य मात्र खबरें परोसना नहीं, बल्कि समाज के पीड़ित और शोषित वर्ग की आवाज़ बनना है। दैनिक बुद्ध का संदेश आम जनमानस की समस्याओं को पूरी संवेदनशीलता के साथ उठाएँ और उनके त्वरित समाधान की दिशा में सेतु का काम करे। मुझे पूरा विश्वास है कि यह समाचार पत्र अपनी ईमानदारी और जनसरोकार की बदौलत बलरामपुर क्षेत्र में जन-जन की समस्याओं का प्रभावी समाधान प्रस्तुत करेगा।

उज्ज्वल भविष्य के लिए ढेरों शुभकामनाएँ।- सदर विधायक पल्लू राम निष्पक्ष पत्रकारिता ही किसी भी स्वस्थ समाज और मजबूत लोकतंत्र की सबसे सुदृढ़ नींव होती है। पत्रकारों का दायित्व है कि वे बिना किसी दबाव या पूर्वाग्रह के सच्चाई को आम जनमानस तक पहुँचाएँ। दैनिक बुद्ध का संदेश अपने प्रकाशन काल से ही सत्य, पारदर्शिता और निष्ठा के साथ जनहित के मुद्दों को उठाता रहा है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि बलरामपुर में इस द्वितीय संस्करण और नए कार्यालय के शुभारंभ से

अधिक बल मिलेगा। पत्रकारों को पूरी ईमानदारी, निष्ठा और सत्यनिष्ठा के साथ अपनी कलम चलानी चाहिए, क्योंकि जनता का विश्वास ही पत्रकारिता की असली ताकत है। पत्रकारिता का मूल उद्देश्य मात्र खबरें परोसना नहीं, बल्कि समाज के पीड़ित और शोषित वर्ग की आवाज़ बनना है। दैनिक बुद्ध का संदेश आम जनमानस की समस्याओं को पूरी संवेदनशीलता के साथ उठाएँ और उनके त्वरित समाधान की दिशा में सेतु का काम करे। मुझे पूरा विश्वास है कि यह समाचार पत्र अपनी ईमानदारी और जनसरोकार की बदौलत बलरामपुर क्षेत्र में जन-जन की समस्याओं का प्रभावी समाधान प्रस्तुत करेगा।

अधिक बल मिलेगा। पत्रकारों को पूरी ईमानदारी, निष्ठा और सत्यनिष्ठा के साथ अपनी कलम चलानी चाहिए, क्योंकि जनता का विश्वास ही पत्रकारिता की असली ताकत है। पत्रकारिता का मूल उद्देश्य मात्र खबरें परोसना नहीं, बल्कि समाज के पीड़ित और शोषित वर्ग की आवाज़ बनना है। दैनिक बुद्ध का संदेश आम जनमानस की समस्याओं को पूरी संवेदनशीलता के साथ उठाएँ और उनके त्वरित समाधान की दिशा में सेतु का काम करे। मुझे पूरा विश्वास है कि यह समाचार पत्र अपनी ईमानदारी और जनसरोकार की बदौलत बलरामपुर क्षेत्र में जन-जन की समस्याओं का प्रभावी समाधान प्रस्तुत करेगा।



सावन में तुलसी के ये 5 उपाय बदल सकते हैं आपकी किस्मत, जानें भगवान शिव की पूजा का धार्मिक महत्व



श्रावण महीना हिंदू धर्म में बेहद खास माना जाता है। सावन का पवित्र महीना भगवान शिव को समर्पित है। इस साल सावन की शुरुआत 30 जुलाई से हो रही है और इसका समापन 28 अगस्त को होगा। साधक इस महीने में भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए कई उपाय करते हैं और शिवलिंग पर जल चढ़ाते हैं।

श्रावण मास में तुलसी के पौधे से जुड़े कुछ आसान उपाय करने से जीवन में खुशहाली आती है और धन की कमी कभी नहीं होती है। आइए आपको बताते हैं सावन में तुलसी के कौन से उपायों से धन का आगमन होगा।

सावन में तुलसी का पौधा लगाएं
अगर आपके घर में तुलसी का पौधा पहले से रखा है, फिर भी आप सावन के महीने में नई तुलसी का पौधा जरूर लगाएं। इसलिए आप सावन के किसी भी गुरुवार के दिन आप घर में नया पौधा लाएं और इसे घर की छत या आंगन पर लगाएं। ऐसा करने से घर में खुशहाली बनी रहती है।

तुलसी के पास घी का दीपक जलाएं
सावन में तुलसी की पौधे की पूजा सबसे शुभ मानी जाती है। यदि आप सावन के पूरे महीने में घी का दीपक जलाएंगी और विधि-विधान से पूजा करेंगी तो आपके घर में धन का आगमन हो सकता है और आपको सभी कष्टों से मुक्ति भी मिल सकती है। सावन में तुलसी का यह उपाय करने से धन को आकर्षित करने का एक माध्यम माना जाता है।

तुलसी की मंजरी से करें ये उपाय
अगर आप सावन में तुलसी के पौधे से कुछ मंजरियों को अलग करके उन्हें लाल कपड़े में बांधकर रखती हैं, तो आपके घर में धन का आगमन होता है और आप पर सदैव माता लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है। यह उपाय आप सावन के किसी भी शुक्रवार के दिन करें इससे आपको पूर्ण फल मिलेंगे। सावन के सोमवार को शिवलिंग पर तुलसी की मंजरी चढ़ाएं, ऐसा करने से शुभ परिणाम मिलते हैं। लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि शिवलिंग पर कभी भी तुलसी के पत्ते अर्पित न करें।

तुलसी के पौधे में शालिग्राम रखें
सावन के महीने में तुलसी के पौधे में शालीग्राम जरूर रखें। इस अवधि में तुलसी और शालीग्राम की पूजा एक साथ करनी चाहिए। इस उपाय से माता लक्ष्मी के साथ विष्णु जी की कृपा दृष्टि प्राप्त होती है।

तुलसी के पौधे में हल्दी की गांठ रखें: सावन के महीने में तुलसी की पूजा करें, तो गमले के अंदर हल्दी की कुछ गांठ जरूर रखें। इतना ही नहीं, गमले की मिट्टी में कुछ सिक्के रखने चाहिए। यह उपाय करने से माता लक्ष्मी की कृपा दृष्टि सदैव बनी रहती है और धन लाभ के योग बनते हैं। इसके अलावा, आप सावन के किसी भी शुक्रवार के दिन तुलसी के पौधे में लाल चुनरी ओढ़ाकर इनकी पूजा करें।

महज 42 की उम्र में दुनिया छोड़ गई गीता दत्त, झेला Stardom का दर्द



हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के कई फेमस गानों को अपनी सुरीली आवाज से सजाने वाली गीता दत्त का 20 जुलाई को निधन हो गया था। आज भी गीता दत्त की आवाज संगीत जगत में महका करती है। गीता दत्त की गायिकी में वह जादू था कि उनके संगीत में प्यार, दर्द और तकलीफ जैसे जज्बात उभरकर आते थे। तो आइए जानते हैं उनकी डेथ एनिवर्सरी के मौके पर गीता दत्त के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में... शब्दकोशऔर विश्वकोश

जन्म और परिवार: फरीदपुर में 23 नवंबर 1930 को गीता दत्त का जन्म हुआ था। वह जमींदार के परिवार से ताल्लुक रखती थीं। गीता दत्त का पूरा परिवार 40 के दशक में कोलकाता आ गया और फिर मुंबई चला गया। गीता दत्त का संगीत से रिश्ता बचपन से जुड़ गया था। उनकी मां एक कवियत्री थीं और पिता मुकुल रॉय संगीतकार थे।

पहला ब्रेक: गीता दत्त को साल 1946 में पहला ब्रेक मिला था, तब वह 16 साल की थीं। फिल्म श्मश्रुत प्रह्लादश के एक गाने में गीता ने दो लाइनें गाई थीं। इसके बाद फिल्म श्दो भाईश के गाने में अपनी आवाज दी। उन्होंने अपने सिंगिंग करियर में शआंखों ही आंखों, शचिन चिन चू, शजाने कहां मेरा ज़िगर गया जी, शबाबू जी धीरे चलना, शपिया ऐसो जिया में समाय गयो रेश, शमुझे जान न कहो मेरी जान, शवक्त ने किया क्या हसीं सितमश और श्ये लो मैं हारी पियाश जैसे तमाम हिट गाने दिए। लोग आज भी इन गानों को सुनना पसंद करते थे। गीता दत्त ने अपने सिंगिंग करियर में ओ.पी. नैयर, स.डी. बर्मन और हेमंत कुमार जैसे बड़े संगीतकारों के साथ काम किया।

पर्सनल लाइफ: गीता दत्त की शादी मशहूर फिल्म निर्माता गुरुदत्त से हुई थी। गुरु और गीता की पहली मुलाकात फिल्म श्बाजीश के सेट पर हुई थी। दोनों का प्यार परवान चढ़ा और दोनों ने शादी का फैसला किया। लेकिन गीता का परिवार इस रिश्ते के खिलाफ था। लेकिन 26 जुलाई 1953 को गीता और गुरु ने शादी कर ली। शादी के बाद उनके बच्चे अरुण दत्त, तरुण दत्त और नीना दत्त हुए। शादी के बाद गुरु दत्त ने गीता पर बंदिशें लगा दीं कि वह सिर्फ उनकी फिल्मों में गाना गाएंगी। शादी के बाद गुरु दत्त और वहीदा रहमान के अफेयर की खबर आने लगी। ऐसे में गीता दत्त अपने बच्चों के साथ माता-पिता के घर चली गईं। इस दौरान गीता दत्त को नशे की लत लग गई और वह शराब की आदी हो गईं। मृत्यु: वहीं लिवर की बीमारी के कारण 20 जुलाई 1972 में 42 साल की उम्र में गीता दत्त ने इस दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया।

निक जोनस ने प्रियंका चोपड़ा को प्रपोज करने की थ्रोबैक फोटो की शेयर, लिखा—8 साल पहले उसने कहा था हां



सिंगर-अभिनेता निक जोनस ने अपनी पत्नी प्रियंका चोपड़ा जोनस को प्रपोज करने के आठ साल पूरे होने के मौके पर पुरानी यादें ताजा कीं। निक ने रविवार रात अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर प्रपोजल नाइट की एक थ्रोबैक सेल्फी साझा की है। तस्वीर में निक कैमरे की ओर मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं, जबकि प्रियंका अपने चेहरे का कुछ हिस्सा हाथ से छिपाते हुए अपनी चमकदार सगाई की अंगूठी पलॉन्ट करती दिखाई दे रही हैं। इस तस्वीर के साथ निक ने कैप्शन में लिखा, 8 सालों पहले उसने हाँ कहा था, साथ में रिंग का इमोजी भी लगाया। निक की इस पोस्ट को रीशेयर करते हुए प्रियंका ने लिखा, मुझे बहुत खुशी है कि आपने यह पूछा गौरतलब है कि निक जोनस ने 19 जुलाई 2018 को प्रियंका चोपड़ा को प्रपोज किया था। इसके लिए उन्होंने लंदन में टिफनी एंड कंपनी का पूरा स्टोर बंद कराकर उनके लिए परफेक्ट इंगेजमेंट रिंग चुनी थी। इसके बाद, दोनों ने अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया और दिसंबर 2018 में जोधपुर में कई दिनों तक चले भव्य समारोह में शादी रचाई। उनकी शादी ईसाई और हिंदू रीति-रिवाजों से संपन्न हुई थी। जनवरी 2022 में प्रियंका और निक ने सरोगेसी के जरिए अपनी बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनस का स्वागत किया। हाल ही में प्रियंका द जोनस ब्रदर्स पॉडकास्ट में नजर आई थीं। इस दौरान उन्होंने अपने रिश्ते को लेकर कई प्यारी बातें साझा कीं। प्रियंका ने बताया कि जब निक उनके साथ होते हैं तो वह पूरी तरह बेफिक्र हो जाती हैं और खुशी-खुशी उन्हें सारी जिम्मेदारी संभालने देती हैं। उन्होंने यह भी बताया कि वह निक को प्यार से बाबू कहकर बुलाती हैं और उन्हें अपना सेफ स्पेस मानती हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो प्रियंका एस.एस. राजामौली की फिल्म वाराणसी की रिलीज की तैयारी में हैं। इस फिल्म में वह महेश बाबू के साथ मंदाकिनी के किरदार में नजर आएंगी। 18 जुलाई को 44वां जन्मदिन मनाने वाली प्रियंका ने इस बार अपना जन्मदिन स्पेन में परिवार और करीबी लोगों के साथ सेलिब्रेट किया।

मुन्ना भाई एमबीबीएस और गंगाजल जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में देने के बाद क्यों बॉलीवुड से दूर हुई ग्रेसी सिंह

ग्रेसी सिंह का नाम उन अभिनेत्रियों में शामिल है, जिन्होंने बेहद कम समय में अपनी सादगी, सहज अभिनय और दमदार किरदारों के दम पर दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई। साल 2001 में रिलीज हुई फिल्म लगान ने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया। इस फिल्म में आमिर खान के साथ उनकी जोड़ी को खूब पसंद किया गया और उनकी मासूम अदाकारी ने हर किसी का दिल जीत लिया। हालांकि, शानदार शुरुआत और कई सफल फिल्मों के बावजूद ग्रेसी सिंह धीरे-धीरे बॉलीवुड से दूर होती चली गईं। ग्रेसी सिंह ने अपने करियर की शुरुआत एक डांसर के रूप में की थी। वह द प्लेनेट्स डांस ग्रुप के साथ कई स्टेज शो और



टूर का हिस्सा रहीं। इसके बाद उन्होंने 1997 में टीवी सीरियल अमानत से अभिनय की दुनिया में कदम रखा। छोटे पर्दे पर पहचान बनाने के बाद उन्हें आशुतोष गोवारिकर की फिल्म लगान: वन्स अपॉन ए टाइम इन इंडिया में काम करने का मौका मिला। आमिर खान द्वारा निर्मित इस फिल्म में ग्रेसी ने गौरी का किरदार निभाया, जिसे दर्शकों और समीक्षकों ने खूब सराहा। लगान न केवल बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई, बल्कि इसे ऑस्कर के बेस्ट फॉरेन लैंग्वेज फिल्म कैटेगरी में भी नामांकन मिला। यह सम्मान पाने वाली मदन इंडिया और सलाम बॉम्बे के बाद तीसरी भारतीय फिल्म बनी। इस सफलता के बाद ग्रेसी सिंह बॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्रियों में शामिल हो गईं।

इसके बाद उन्होंने मुन्ना भाई एमबीबीएस, गंगाजल और अरमान जैसी फिल्मों में काम किया। मुन्ना भाई एमबीबीएस और गंगाजल को बड़ी सफलता मिली, लेकिन अरमान बॉक्स ऑफिस पर उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी। इसके बाद उनकी कई फिल्में, जैसे चंचल, देशद्रोही और देख भाई देख, लगातार फ्लॉप होती रहीं। इन असफलताओं का असर उनके करियर पर साफ दिखाई दिया और उन्हें बॉलीवुड में पहले जैसी पहचान नहीं मिल सकी।

हिंदी फिल्मों में सफलता कम होने के बाद ग्रेसी सिंह ने तमिल, तेलुगु, मलयालम, गुजराती, पंजाबी और बंगाली फिल्मों में भी काम किया। हालांकि, वहां भी उन्हें अपेक्षित सफलता नहीं मिली। आखिरकार उन्होंने फिल्मों से दूरी बना ली। ग्रेसी ने कई इंटरव्यू में कहा है कि अभिनय उनके जीवन का अंतिम लक्ष्य कभी नहीं था और न ही उन्हें सुपरस्टार बनने की कोई विशेष इच्छा थी।

साल 2015 में उन्होंने टीवी शो संतोषी मां से छोटे पर्दे पर वापसी की। इस धारावाहिक में देवी संतोषी मां के रूप में उनके अभिनय को दर्शकों ने काफी पसंद किया और नई पीढ़ी के बीच भी उन्हें पहचान मिली।

समय के साथ ग्रेसी सिंह आध्यात्मिक संस्था ब्रह्माकुमारीज से गहराई से जुड़ गईं। वह अक्सर आध्यात्मिक जीवन, आत्मसंतोष और प्रसिद्धि से परे सच्ची खुशी की बात करती हैं। ग्रेसी सिंह अभी भी अविवाहित हैं और फिल्मों की चकाचौंध से दूर एक शांत, संतुलित और आध्यात्मिक जीवन जी रही हैं। उनकी कहानी इस बात का उदाहरण है कि सफलता केवल शोहरत में नहीं, बल्कि अपने मन की शांति और संतुष्टि में भी छिपी होती है।